6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 22 संस्करण

बरेली | सोमवार, 27 नवंबर 2023 कार्तिक पूर्णिमा • विक्रम संवत-2080

अमर उजाला

PAGE NO . 09 : LEFT MIDDLE

जामुन का पेड़ : मंचन से बयां की सिस्टम की हकीकत

बरेली। एसआरएमएस सिद्धिमा में रविवार को जामुन का पेड़ नाटक का मंचन किया गया। नाटक आरंभ होता है मुख्य पात्र संपत लाल से। संपत लाल सड़क बनवाने की जानकारी लेने सचिवालय जाता है। तभी मौसम खराब हो जाता है और संपत लाल को दफ्तर से भागना पड़ता है। वह सचिवालय परिसर से बाहर

जाने की कोशिश करता है। इसी समय वहां लगा जामुन का पेड़ गिर जाता है और संपत लाल उसके नीचे दब जाता है।

उसे बचाने के लिए दफ्तर के कर्मचारी रुचि नहीं दिखाते, बल्कि नियम कानून का सहारा लेकर फाइल को किसी और विभाग में भेज देते हैं। तब तक संपत पेड़ के नीचे दबा रहता है। अंत में पांच दिन बाद अपने प्रधानमंत्री के आदेश पर पेड़ काटने की अनुमति मिल जाती है, लेकिन तब तक बहुत देर जाती है। संपत लाल मर जाता है। मशहूर साहित्यकार कृष्ण चंदर की कहानी "जामुन का पेड़" का नाट्य रूपांतरण डा. अश्विनी कुमार ने किया। निर्देशन विनायक कुमार श्रीवास्तव का रहा। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, डॉ. रीता शर्मा आदि लोग मौजूद रहे। संवाद